दैनिक भास्कर, इंदौर, गुरुवार, 12 सितंबर, 2019

दैनिक भास्कर 12.09.19

कौशल विकास केंद्र की बड़ी पहल • रजिस्ट्रेशन शुल्क पर स्किल डेवलपमेंट के कई कोर्स लॉन्च होंगे

डीएवीवी में डॉक्टर्स के लिए ऑफिस ऑटोमेशन कोर्स साइबर सिक्युरिटी और एडवांस एक्सेल भी सिखाएंगे

स्किल ओरिएंटेड

भास्कर संवाददाता | इंदौर

देवी अहिल्या यूनिवर्सिटी का पंडित दीनदयाल उपाध्याय कौशल विकास केंद्र स्किल ओरिएंटेड कोर्स की संख्या बढ़ाएगा। 21 सर्टिफिकेट कोर्स करा चुके इस केंद्र ने अब दो माह में चार से पांच नए स्किल डेवलपमेंट कोर्स शुरू करने का निर्णय लिया है। महज नॉमिनल रजिस्ट्रेशन फीस पर एक माह तक सर्टिफिकेट कोर्स शुरू होंगे।

खास बात यह है कि डॉक्टर्स के लिए भी डॉक्टर्स ऑफिस ऑटोमेशन कोर्स शुरू किया गया है। इस कोर्स में 80 छात्रों (डॉक्टर्स) की बैच भी बन गई है। 30 दिन तक चलने वाले इस कोर्स के जरिए डॉक्टर्स अपने दफ्तरों, चैंबर या क्लिनिक का ऑटोमेशन कर पाएंगे। यह कोर्स डीएवीवी का कौशल विकास केंद्र आईएमए के साथ मिलकर चलाएगा। इस कोर्स के लिए हर रविवार को क्लासेस लगेंगी। इस कोर्स में डीएवीवी के छात्र भी डॉक्टर्स की मदद करेंगे। खासकर कम्प्यूटर के छात्रों की इसमें मदद ली जाएगी।

केंद्र अब ऐसे ही कोर्स शुरू करेगा, जिसमें प्रोफेशनल्स प्रवेश लेंगे और अपने कार्य क्षेत्र से जुड़ी स्किल डेवलप कर सकेंगे। आने वाले समय में कई नए कोर्स डिजाइन किए जाएंगे।

वेबसाइट डिजाइन एंड डेवलपमेंट का कोर्स पूरा, साइबर सिक्युरिटी की बारी: विभागाध्यक्ष इंगले

केंद्र की हेड डॉ. माया इंगले ने बताया कि हाल ही में हमने वेबसाइट डिजाइन एंड डेवलपमेंट कोर्स पूरा किया है। इस कोर्स के बाद कई छात्रों ने अपनी और विभाग की डिजाइन बनाई। हाल ही में टेली के दो कोर्स भी हुए। इसके बाद अब हम साइबर सिक्युरिटी और डिजिटल मार्केटिंग सर्टिफिकेट कोर्स चलाएंगे। इन सभी कोर्स के लिए कोई उम्र बंधन नहीं है। फीस भी नाममात्र की है। वह भी सिर्फ रजिस्ट्रेशन शुल्क के तौर पर ली जाती है। इसके अलावा एमबीए के छात्रों के लिए एडवांस एक्सेल कोर्स भी चलाएंगे। प्लेसमेंट के लिए आने वाली कई कंपनियों ने एमबीए के छात्रों के लिए एडवांस एक्सेल कोर्स की सिखाने की बात कही थी।

फैसला • देवी अहिल्या यूनिवर्सिटी ने बदला ऑर्डिनेंस-14, अब मूक कोर्स परिणाम भी मूल कोर्स की मार्कशीट में दर्ज होगा

यूटीडी छात्र मूल कोर्स का 20% हिस्सा किसी भी संस्थान से ऑनलाइन कर सकेंगे

दिनेश जोशी | इंदौर

देवी अहिल्या यूनिवर्सिटी ने ऑर्डिनेंस-14 में बड़ा बदलाव कर दिया है। इसके तहत अब मूल कोर्स (मेसिव ओपन ऑनलाइन कोर्स) को महत्वपूर्ण दर्जा मिल गया है। यूनिवर्सिटी ने तय किया है कि यूटीडी (यूनिवर्सिटी टीचिंग डिपार्टमेंट) का कोई भी छात्र अपने मूल कोर्स में से 20 फीसदी हिस्सा देश की किसी भी यूनिवर्सिटी,कॉलेज या आईआईटी-आईएमएस जैसे संस्थान से ऑनलाइन कर सकेगा। यह स्वयं पोर्टल के जरिये चलाए जा रहे मूक पर ही लागू होगा। उदाहरण के लिए अगर कोई छात्र आईएमएस विभाग से एमबीए (फाइनेंशियल एडमिनिस्ट्रेशन) कोर्स कर रहा है तो वह अपने इस मूल कोर्स के साथ 20 फीसदी पार्ट किसी भी संस्थान से ऑनलाइन कर सकता है। इस तरह उसकी मार्कशीट में मूक के रिजल्ट की भी क्रेडिट जुड़ जाएगी। छात्र के पास यह भी विकल्प है कि वह मूल कोर्स तो पूरा(सौ फीसदी) करे, साथ ही अलग से कोई ऑनलाइन(मूक) कोर्स भी करे। 12 से 18 सप्ताह के इस कोर्स के अंक भी छात्र की मूल कोर्स की सेमेस्टर और एग्रीगेट की मार्कशीट में जुड़ जाएंगे। इस तरह छात्र के पास मूल कोर्स के साथ स्पेशलाइजेशन के भी मार्क्स रहेंगे। प्रदेश में डीएवीवी ने इसे सबसे पहले लागू किया है। यूटीडी में 12 हजार से ज्यादा छात्र हैं।

प्रयोग : ईएमआरसी विभाग चला रहा है 19 ऑनलाइन कोर्स, कुछ नए शुरू होंगे

डीएवीवी के ईएमआरसी विभाग ने 19 ऑनलाइन कोर्स चलाए थे। यह प्रयोग सफल रहा। इस सत्र से भी ईएमआरसी कम से कम 10 नए ऑनलाइन कोर्स शुरू करने जा रहा है। यूटीडी के आईआईपीएस, आईएमएस और लाइफ साइंस सहित सभी 33 विभागों के छात्रों के पास दूसरा विकल्प भी मौजूद है। वे दूसरे विकल्प के तहत देश में किसी भी संस्थान द्वारा चलाए जा रहे ऐसे ही ऑनलाइन कोर्स में से एक कोर्स चुनकर उसमें प्रवेश ले सकता है। ऑनलाइन स्टडी कर ऑनलाइन ही परीक्षा देकर वह पास होगा तो मूल कोर्स के सिलेबस से 20 फीसदी हिस्सा कम हो जाएगा। ऐसे में उसके करियर में दो स्पेशलाइजेशन जुड़ जाएंगे।

फायदा : छात्रों को प्लेसमेंट में मिलेगी मदद, मार्कशीट में स्किल का क्रेडिट भी जुड़ेगा

ईएमआरसी विभाग के हेड डॉ. एके सिंह का कहना है कि टीचिंग विभागों में मैनेजमेंट, साइंस, कॉमर्स सहित कई स्पेशलाइजेशन कोर्स चल रहे हैं। छात्र उन कोर्स के सिलेबस से 20 फीसदी हिस्सा कम कर किसी अन्य स्पेशलाइजेशन की पढ़ाई ऑनलाइन करता है तो यह उसके करियर के लिए भी अहम होगी। इससे मार्कशीट में उस स्किल (कोर्स) का क्रेडिट भी जुड़ेगा। प्लेसमेंट के दौरान इसका फायदा मिलेगा। देशभर में कई आईआईटी,आईआईएम और यूनिवर्सिटी मूक के तहत ऑनलाइन कोर्सेस चला रहे हैं। अब तक छात्र मूक के तहत जो भी कोर्स करता था, उसे उसका सर्टिफिकेट मिल जाता था, पर अब ऑर्डिनेंस में बदलाव के बाद वह उसकी मूल पढ़ाई का हिस्सा बन जाएगा।